Popular Front of India

+91 11 2 9949902
popularfrontmail@gmail.com
www.popularfrontindia.org
/PopularFrontofIndiaOfficial
@PFIOfficial
/PopularFront EMedia
/pfiofficial

प्रेस रिलीज़

नई दिल्ली
09 मार्च 2020

# दिल्ली हिंसा में हाथ होने का आरोप बेबुनियादः पॉपुलर फ्रंट

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के महासचिव अनीस अहमद ने दिल्ली हिंसा में शामिल होने को लेकर कुछ मीडिया में आई खबरों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। खबरों के अनुसार, दिल्ली पुलिस ने पॉपुलर फ्रंट से कथित रूप से जुड़े एक व्यक्ति को उत्तर–पूर्वी दिल्ली में सांप्रदायिक दंगा भड़काने की साज़िश के आरोप में गिरफ्तार किया है। पॉपुलर फ्रंट इस आरोप को सरासर बेबुनियाद प्रोपेगंडा करार देते हुए इसे पूरी तरह से रद्द करता है और यह स्पष्ट कर देना चाहता है कि संगठन को बिना किसी कारण दिल्ली में हुई घटनाओं में घसीटा जा रहा है। दिल्ली पुलिस वही तरीका अपना रही है जिसे कर्नाटक और उत्तर प्रदेश जैसे संघ परिवार शासित राज्यों की पुलिस ने अपनाया था लेकिन वे नाकाम रहे थे। इन राज्यों में सीएए–विरोधी प्रदर्शनों के साथ पुलिस की बर्बरता और अत्याचार के बाद, पुलिस ने संगठन के निर्दोष कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया था। लेकिन वे अदालत में अपने आरोपों को साबित करने में पूरी तरह से नाकाम हुए और हमारे कार्यकर्ताओं को रिहा कर दिया गया। ऐसा लग रहा है कि राजधानी दिल्ली में मुस्लिम समुदाय के खिलाफ संघ परिवार द्वारा बड़े पैमाने पर की गई हिंसा को रोकने और अपराधियों को इंसाफ के कठघरे में लाने में अपनी पूर्ण असफलता के बाद, दिल्ली पुलिस अब किसी बलि के बकरे की तलाश में है, ताकि पूरा आरोप उस पर डालकर वह अपना दामन साफ कर सके। एक तरफ हिंसा भड़काने वाले लोग आज़ाद घूम रहे हैं और उन्हें 'Y' श्रेणी की सुरक्षा दी जा रही है, और दूसरी ओर पुलिस निर्दोष लोगों की मनमानी गिरफ्तारी कर रही है और उन्हें निशाना बना रही है। अनीस अहमद ने कहा कि लोगों को चाहिए कि वे इस तरह के प्रोपगंडे में न आएं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी दमनकारी कार्यवाहियों से पॉपुलर फ्रंट को अपना रोल निभाने से नहीं रोका जा सकता।

डॉ. मोहम्मद शमून
डायरेक्टर, मीडिया एवं जनसंपर्क
मुख्यालय, पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया
नई दिल्ली